हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 सितंबर 2025

11 2047 के विकसित भारत में युवाओं की होगी बड़ी भूमिका...

12 भट्टू में टेंडर के बावजूद नहीं हो रहा कचरे का उठान...

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सेम प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, ग्रामीणों ने रखीं मांगें

केंद्र सरकार व पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध : राज्यमंत्री

गुडिया खेड़ा गांव के लोगों ने बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए दिए महत्वपूर्ण सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

चोपटा क्षेत्र में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिसार घग्गर ड्रेन के उफान के कारण कई गांव जलमग्न हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ स्थानीय प्रशासन और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। इस दौरान सबसे अधिक प्रभावित गुडिया खेड़ा गांव के ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं सांझा कीं और बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ग्रामीणों ने हिसार घग्गर ड्रेन को मजबूत करने, नई ड्रेन बनाने और पानी की निकासी के लिए हाई पावर पंप लगाने जैसी मांगें रखीं।

ड्रेन का पानी ओवरफ्लो होने के चलते ग्रामीणों में दिखी नाराजगी

बाढ़ ने बिगाड़ी गांवों की सूरत: सिरसा जिले के चोपटा क्षेत्र में हिसार घग्गर ड्रेन का पानी उफान पर है। भारी बारिश और ड्रेन में पानी की अधिकता के कारण कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गुडिया खेड़ा, बकरियांवाली, माधोसिंघाना, निर्बान, नाथूसरी चोपटा, जांडवाला, शाहपुर जैसे गांवों में खेत जलमग्न हो गए हैं। फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और कई परिवारों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बरसात के मौसम में घग्गर ड्रेन का पानी ओवरफ्लो हो जाता है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इस बार भी यही स्थिति बनी, जिसके चलते ग्रामीणों में सरकार के प्रति नाराजगी देखी गई।

सिरसा। केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ग्रामीणों की समस्या सुनते।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

गुडिया खेड़ा के ग्रामीण हरिसिंह मंडा, सुभाष हुड्डा, जयवीर शीलू, जगदीप गोदारा और अन्य ने केंद्रीय राज्यमंत्री के सामने मांगे रखते हुए कहा कि ड्रेन के दोनों तटबंध कमजोर हैं, जिसके कारण पानी आसानी से गांवों में घुस जाता है। उन्होंने मांग की कि तटबंधों को मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में बाढ़ की स्थिति से बचा जा सके। ड्रेन के अंदर कई जगह मिट्टी और गाद जमा हो गई है, जिसके कारण पानी की निकासी में रुकावट आती है। ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि ड्रेन का स्तर जांचा जाए और जरूरत पड़ने पर मिट्टी डाली जाए।

ड्रेन सुधारने की मांग

केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को चोपटा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने गुडिया खेड़ा गांव में ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने एक स्वर में हिसार घग्गर ड्रेन की स्थिति को सुधारने की मांग की। इस दौरान उनके साथ अमीर चंद मेहता, निताशा सिहाग, यतींद्र सिंह, जनक राज सैनी, बंसीलाल छाबड़ा, नीकुराम फौजी और रमेश छिम्पा जैसे स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

दिया आश्वासन

ग्रामीणों की मांगों को सुनने के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाढ़ प्रभावित लोगों की हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, मैंने ग्रामीणों की सभी समस्याएं सुनी हैं। उनकी मांगें जायज हैं और इन पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। मैं इन सुझावों को केंद्र और हरियाणा सरकार के सामने रखूंगा और इनके कार्यान्वयन के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। दौरे के बाद मनरेगा योजना के तहत राहत कार्यों में जुटे लोगों को राहत सामग्री वितरित की गई। ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्यमंत्री और उनके साथ आए सभी गणमान्य व्यक्तियों का फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर खुलकर बात की और सरकार से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जताई।

हाई पावर लिफ्ट पंप लगाने की मांग

ग्रामीणों ने मांग की कि ओट्टू हेड पर राजस्थान नहर की तरह हाई पावर लिफ्ट पंप लगाए जाएं। इससे ड्रेन के पानी की निकासी तेजी से होगी और पीछे से आने वाले पानी का खतरा कम होगा।

सिरसा। केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे को ज्ञापन सौंपते किसान नेता लखविंद्र सिंह। फोटो: हरिभूमि

मांगों को लेकर राज्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

- बाढ़, बरसात व जल भराव से खराब हुई फसलों व क्षतिग्रस्त मकानों की भरपाई करने की मांग

सिरसा। भारतीय किसान एकता के प्रधान लखविंद्र सिंह के नेतृत्व में रविवार को सिरसा दौरे पर आए केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे को किसानों ने ज्ञापन सौंपा। किसानों ने ज्ञापन के जरिये मांग की है कि बाढ़, भारी बरसात व जलभराव से किसानों की खराब हुई खरीफ की फसलें (नरमा, कपास, गवार, मूंगफली, मूंग आदि) नष्ट हो गई है, जिनका 50 हजार रुपए प्रति एकड़ व खेत मजदूरों को दस हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए। मुआवजे में पांच एकड़ वाली शर्त हटाकर किसानों को उनकी पूरी फसल का मुआवजा दिया जाए। बागवानी व सब्जियों वाले किसानों के नुकसान की भरपाई करवाई जाए। बाढ़ व नदिया नालों के टूटने से किसानों व मजदूरों की खेतों में बनी ढाणियां, ट्यूबवेल, सोलर पैनल, पशुओं के नोहरे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका भी मुआवजा दिया जाए। घग्गर नदी की सफाई व तटबंधों को मजबूत करने, नहरों नदियों नालों व ड्रेनों की साफ -सफाई के लिए हरियाणा सरकार कागजों में हर साल करोड़ों रुपए खर्च करती है, लेकिन धरातल पर काम नहीं होता है। पंचकूला से लेकर राजस्थान तक घग्गर नदी की खुदाई करवाई जाए, तटबंधों को मजबूत करके दोनों साइड पक्की सडकें बनाई जाए ताकि हर साल आने वाली बाद से बचा जा सके। ओटू झील की खुदाई करवाई जाए, जिससे सिंचाई के लिए पानी स्टोर करके जरूरत अनुसार नहरों में छोड़ जा सके। हिसार घग्गर सेमनाला से बरसात के मौसम में हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जिले में हजारों एकड़ फसलें डूब जाती है, इससे चौपटा क्षेत्र में सेम की समस्या भी बढ़ती जा रही हैं।

समस्याओं का जल्द होगा समाधान

किसानों के साथ खड़ी केंद्र व राज्य सरकारः मंत्री दूबे

- राज्यमंत्री ने मंत्री ने सिरसा में पत्रकारों से की बातचीत

सिरसा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे।

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कहा कि किसानों के साथ केंद्र व राज्य सरकार पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। किसानों की समस्याओं के संबंध में केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष मजबूती से मुद्दों को रखा जाएगा और समस्याओं का निवारण करवाया जाएगा। जलभराव सहित फसल बीमा को लेकर किसानों ने जो सुधार की मांग रखी है, उस पर भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला सिरसा के दौरे के दौरान उन्हें जो भी समस्याएं या मांग आमजन की तरफ से मिली है और विभिन्न गांवों का दौरा कर जायजा लिया गया है, उस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अवगत करवाते हुए मजबूती से समाधान का प्रयास करेंगे। मंत्री दूबे रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार जलभराव व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए बेहद चिंतित हैं। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी ड्यूटी सिरसा जिला में लगाई है। वर्षा और बाढ़ प्राकृतिक आपदा होती है, यह हमारे साहस और धैर्य की परीक्षा है। इसके बावजूद केंद्र व प्रदेश सरकार इस संकट की घड़ी में बाढ़ व जलभराव से पीड़ितों के साथ तत्परता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस बार घग्घर नदी में वर्ष 2008 से भी अधिक पानी आया है। इसके चलते कई गांव प्रभावित हुए हैं। सरकार द्वारा तत्काल राहत एवं निगरानी कार्य किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के साथ ही खाने-पीने का सामान व दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही है।

पीएम ने 140 करोड़ लोगों को अपना परिवार माना

राज्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारें दो-दो रुपये का मुआवजा देती थी, लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार कम जमीन वालों को भी कम से कम 500 रुपये देकर राहत देने का काम कर रही है। इसके अलावा हरियाणा सरकार ने फसल नुकसान की एवज में साढे सात हजार से 15 हजार रुपये तक देने का निर्णय लिया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आज किसानों को उनकी फसलों का अच्छा दाम मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ वासियों को अपना परिवार मानते हैं और सबका साथ-सबका विकास-सबका सहयोग के नारे के साथ सरकार काम कर रही है।

खबर संक्षेप

कुत्ते ने किया व्यक्ति पर हमला, कार्रवाई की मांग

फतेहाबाद। गांव बड़ोपल में उस समय हडक़ंप मच गया जब एक आवारा कुत्ते ने राह चलते एक व्यक्ति पर अचानक हमला कर दिया। घायल व्यक्ति की पहचान खैरपुर निवासी कैलाश पुत्र बृजलाल के रूप में हुई है, जो किसी कार्य से गांव आया हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कैलाश जैसे ही गांव के मुख्य रास्ते से गुजर रहा था, तभी एक आवारा कुत्ता उस पर झपट पड़ा और उसे काट लिया।

मारपीट व धमकी के मामले में दो गिरफ्तार

फतेहाबाद। अपराध मुक्त अभियान के तहत पुलिस ने मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कपिल शर्मा पुत्र हरि शंकर निवासी लंग मोहल्ला, फतेहाबाद तथा रिंकू शर्मा निवासी रामनिवास मोहल्ला, फतेहाबाद के रूप में हुई है।

नशीली गोलियों के सप्लायर को दबोचा

फतेहाबाद। कॉमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियों की सप्लाई से जुड़े मामले में थाना शहर रतिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शहर रतिया उप-निरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि 12 सितम्बर को एसआई सूबे सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

नौकरी का झांसा देकर 4 लाख ठगे, आरोपी काबू

फतेहाबाद। सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में रतिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिदांत जैन के निर्देशों पर की गई, जिन्होंने अपराधों के विरुद्ध त्वरित और सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी कर रखे हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजकुमार उर्फ राज सोलंकी के रूप में हुई।

आईटीआई में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

सिरसा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रविवार को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें निबंध लेखन और कविता पाठ प्रतियोगिता करवाई गई। इसमें 25 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्रा दिशा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, छात्र गौरव ने द्वितीय तथा जसकीरत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रो. मंजू नेहरा को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रो. मंजू नेहरा को सामुदायिक संपर्क एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

शूटिंग प्रतियोगिता में छाए लक्ष्य अकादमी के खिलाड़ी

सिरसा। जेसीडी में आयोजित जिला स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में लक्ष्य शूटिंग अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गोल्ड व दो रजत सहित 5 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अकादमी के संचालक अमित फुटेला ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अकादमी की ओर से अंडर-17 ब्वॉयज में नवकीरत ने गोल्ड व अमीश ने सिल्वर, लड़कियों के अंडर-17 वर्ग में किंजल ने गोल्ड, अंडर-19 में लवली शर्मा ने गोल्ड व रचना ने रजत पदक जीतकर अकादमी व जिले का नाम रोशन किया। अमित फुटेला ने सभी होनहारों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

वाल्मीकि चौक वासियों ने लगाया जाम

- दूषित पेयजल व सीवरेज की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

शहर के वाल्मीकि चौक के लोगों ने रविवार को दूषित पेयजल व ओवरफ्लो सीवरेज समस्या को लेकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क पर जाम लगा दिया। सड़क जाम के चलते रानियां से सिरसा और सिरसा से रानियां की दिशा में जाने वाले वाहनों की कतार लग गई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि उनके मोहल्ले में पिछले लंबे समय से पीने के पानी में सीवरेज युक्त पानी मिश्रित होकर आ रहा है, इस संबंध में उन्होंने विभाग को कई बार सूचित किया परंतु अधिकारियों ने कोई सुनवाई नहीं की।

सिरसा। दूषित पेयजल सप्लाई व सीवर ओवरफ्लो के खिलाफ जाम लगाते मोहल्लावासी।

मच्छरों की भरमार से बीमारियों का खतरा

काबिलेजिक्र है कि सिरसा में बरसात के बाद शहर की विभिन्न कॉलोनियों जिनमें अग्रसेन कॉलोनी, वार्ड नंबर 15 की पीर बाबा दरगाह वाली गली, कंगनपुर रोड़, हरि विष्णु कॉलोनी, परमार्थ कॉलोनी, प्रीत नगर सहित शहर के अनेक हिस्सों में सीवर ओवरफ्लो के बाद से जहां पीने के पानी में सीवर का पानी मिक्स होकर आ रहा है वहीं मच्छर और मक्खियों की भरमार से बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। साथ ही डेंगू ने भी दस्तक दे दी है। हालांकि नगरपरिषद द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में फोगिंग भी करवाई जा रही है ताकि बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

मनरेगा मजदूरों की मेहनत से बची फसल

- पंचायत ने प्रशासन से मनरेगा मजदूरों को ज्यादा से ज्यादा काम देने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मनरेगा मजदूरों ने इस बार जिले में भारी बरसात से हुए जलभराव के दौरान रिहायशी क्षेत्रों के साथ-साथ किसानों के खेतों को बचाने में भी अहम भूमिका निभाई है। गांव मढ़ में घग्गर में आए कटाव के बाद किसानों के खेतों और गांव में पानी भरने का खतरा पैदा हो गया था लेकिन मनरेगा मजदूरों ने कड़ी मेहनत कर इस कटाव को भर दिया। मढ़ मे मनरेगा कार्य की देखरेख कर रहे डॉ. मंगाराम ने बताया कि भारी बरसात के कारण गांव के पास घग्गर में कटाव आ गया था। कटाव के चलते खेतों और रिहायशी क्षेत्र में पानी भरने का खतरा पैदा हो गया लेकिन ग्रामीणों और मनरेगा मजदूरों ने हौंसला नहीं हारा और ग्राम पंचायत मढ़ की अगुवाई में कड़ी मेहनत कर इस कटाव को भरकर जीत हासिल की और किसानों की फसल और गांव को जलभराव से बचा लिया।

फतेहाबाद। गांव मढ़ में कटाव भरने के काम में जुटे मनरेगा मजदूर।

किया धन्यवाद

मंगाराम ने मनरेगा मजदूरों का धन्यवाद करते हुए जिला प्रशासन व सरकार से मांग की है कि मनरेगा के तहत काम कर अपने परिवार का पेट भरने वाले इन मजदूरों को ज्यादा से ज्यादा कार्य दिया जाए ताकि इन गरीबों की रोजी-रोटी पर कोई दिक्कत न आए। इसके अलावा मनरेगा मजदूरों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सरपंच मलकीत सिंह ने जिला प्रशासन से मनरेगा के तहत मजदूरों को पूरा काम करने की मांग की है ताकि गरीबों की रोजी-रोटी चलती रहे।

बरसात व बाढ़ का असर फल और सब्जियों पर पड़ा, पिछले माह की तुलना में दोगुना हुआ दाम

घीया व पेठा 40 के पार, अन्य सब्जियों के दाम भी 60 से 120 रुपये प्रति किलो पहुंचे

आरोप, समय से पहले बढ़े दामों ने लोगों को चौंका दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

बरसात और बाढ़ से हुई फसलों की बर्बादी का असर पर अब सामान्य लोगों पर भी पडऩे लगा हैं। एक महीने में सब्जी और फलों के दाम में बढ़ी बढ़ोतरी हो गई है, जिससे लोगों के घर का बजट बिगड़ गया है। हालात यह है कि सामान्य तौर पर 10 रुपए किलो में भी न पूछे जाने वाली घीया और पेठा भी 40 रुपए किलो बिक रहा है, जबकि डिमांड में रहने वाली सब्जियों के दाम 60 रुपए से 120 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए है। इससे लोगों को घर में मैनेज करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि यह रेट सब्जियों का पिछले साल में नवंबर से दिसंबर महीने में होती थी, लेकिन उस समय हरी सब्जियां बाजार में आने से लोगों को राहत मिल जाती थी, लेकिन इस बार समय से पहले बढ़े दामों ने लोगों को चौंका दिया है। दूसरी ओर, सब्जी मंडी में विक्रेताओं का कहना है कि इस बार बरसात देश के सभी हिस्से में मानक से ज्यादा बरसात हुई है, जिसके कारण सब्जियों के फसल पर विपरीत असर पड़ा है। सप्लाई कम होने की वजह से दाम में उछाल आ रहा है, जिसका फिलहाल कोई समाधान भी नहीं है। नई फसल के तैयार होने के बाद ही राहत की उम्मीद है।

फतेहाबाद। रेहड़ी पर सजी सब्जियां।

क्या कहते हैं सब्जी मंडी के व्यापारी

सब्जी मंडी के व्यापारी पवन राठौड़ ने बताया कि ग्राहकों को शिमला मिर्च 80-100 किलो मिल रही है। जो पिछले महीने करीब 50-60 रुपए किलो थी। इसी तरह सेब की सप्लाई अवरुद्ध होने से मार्केट में रिटेल में सेब की कीमत 120-150 रुपए प्रति किलो हो गई है। इस बार यहां गोभी की फसल बरसात के कारण खराब हो गई है। यही कारण है कि यहां गंभीर के रेट भी बढ़कर 100 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं।

दामों में गिरावट आने में लगेगा समय

प्रदेश की सीमा से सटे हिमाचल, पंजाब में सब्जियों की बड़े पैमाने पर खेती की जाती है। यहां आने वाली काफी सब्जियां बड़ी मात्रा में हिमाचल से खेतों में होती है, जो बरसात के कारण खराब हो गई है। ऐसे में स्थानीय सप्लाई बंद हो गई। सब्जी मंडी के दुकानदार पवन राठौड़ ने बताया कि सब्जियों के दाम में गिरावट में कम से कम दो महीने का समय लगेगा। बरसात की वजह से आवक कम हुई है, जिससे दाम में बढ़ोतरी हो रही है।

ओढां के इमरजेंसी वार्ड में डाक्टर आराम फरमाते रहे, सिक्योरिटी गार्ड ने किया इलाज

ओढां। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओढ़ा में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक के मरहम पट्टी ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड ने की जबकि इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर अपने क्वार्टर पर आराम फरमाते रहे। यह आरोप जनता अधिकार मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जसविंदर सिंह व पंचायत समिति के सदस्य गुरदीप सिंह ने लगाते हुए बताया कि कालांवाली रोड पर बाइक के आगे एक गाय आने से ओढ़ा निवासी राजीव गोदारा बुरी तरह से घायल हो गया और उसे प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में लेकर आया गया। उस समय ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर क्वार्टर में थे उन्हें सूचना दी गई तो उन्होंने कहा कि मैं आता हूं और नहीं आए। जिस पर सिक्योरिटी गार्ड ने घायल की मरहम पट्टी कर दी। काफी इंतजार के बाद जब डॉक्टर पहुंचे तो पंचायत समिति सदस्य ने इलाज करने को कहा तो उन्होंने कहा कि यह कोई इमरजेंसी केस थोड़ा है इसका इलाज कर दिया आप कमरे से बाहर जाओ। वहां पर उपस्थित गांववासियों ने बताया कि वार्ड में बेड की चादरें तक साफ नहीं थी अस्पताल में स्थाई एम्बुलेंस की सुविधा भी नहीं है। जनता अधिकार मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष जसविंदर सिंह का कहना है कि अगर सिक्योरिटी गार्ड ने ही इलाज करना है तो डॉक्टरों की क्या जरूरत है। इन सभी बातों को लेकर सोमवार को गांववासी एकत्रित होकर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी से मिलकर इस विषय पर बात करेंगें और उनकी सुनवाई नही हुई तो अगला कदम उठाया जाएगा।

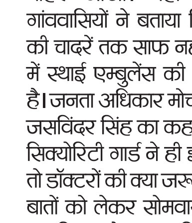

सिरसा। अस्पताल में घायल राजीव गोदारा।

मंदिर दो और मूर्ति एक

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

जहाज कोठी, जो बन गई इतिहास का आईना

समुद्री जहाज़ जैसी आकृति के कारण इसे जहाज कोठी नाम मिला। आज यह क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है, जहां सिंधु-सरस्वती सभ्यता से लेकर मध्यकालीन मूर्तियों और स्थापत्य अवशेषों तक 193 दुर्लभ कलाकृतियां संरक्षित हैं।

धरोहर

डॉ. प्रियंका सौरभ

हिसार का फ़िरोज़ शाह पैलेस परिसर अपने आप में इतिहास का खज़ाना है। इसी परिसर में स्थित जहाज कोठी अपनी अनोखी बनावट और रोमांचक अतीत के कारण विशेष महत्व रखती है। 18वीं शताब्दी का यह जैन मंदिर बाद में विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बना।

हरियाणा के हिसार शहर का नाम सुनते ही सबसे पहले फ़िरोज़ शाह तुग़लक़ के महल, गुजरी महल, लोहारी गेट और बरसी गेट जैसे स्मारक सामने आते हैं। इन्हीं ऐतिहासिक इमारतों के बीच एक ऐसी कोठी भी खड़ी है, जिसका आकार समुद्र में तैरते जहाज़ जैसा प्रतीत होता है। यही है जहाज कोठी – जो कभी 18वीं शताब्दी का जैन मंदिर थी, फिर विदेशी साहसी जॉर्ज थॉमस और कर्नल जेम्स स्किनर की रिहायश बनी और आज क्षेत्रीय पुरातत्व संग्रहालय के रूप में संरक्षित है। यह स्मारक न केवल स्थापत्य की दृष्टि से अद्वितीय है, बल्कि भारत के उस दौर का भी गवाह है जब मराठा, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक सत्ता के लिए संघर्षरत थे। जहाज कोठी का मूल स्वरूप एक जैन मंदिर था।

इतिहासकार मानते हैं कि 18वीं शताब्दी से पहले यहां जैन धर्मावलंबियों ने अपना मंदिर बनवाया था। समय के साथ यह इमारत वीरान होती गई और 18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इसे जॉर्ज थॉमस ने अपने निवास में बदल दिया। इमारत की डिज़ाइन इतनी अनोखी है कि देखने पर यह समुद्र में तैरते जहाज़ जैसी लगती है। इसी विशेषता के कारण स्थानीय लोगों ने इसे जहाज कोठी नाम दे दिया। जॉर्ज थॉमस का जीवन किसी उपन्यास से कम रोमांचक नहीं था। उनका जन्म 1756 में आयरलैंड के रोस्क्रिया क्षेत्र में हुआ। पिता गरीब किसान थे जिनका जल्दी निधन हो गया। बाल्यावस्था में उन्होंने डबलिन के गोदीघाट पर मजदूरी की। 1781 में वे ब्रिटिश नौसेना से जुड़कर भारत आए, लेकिन कुछ ही सालों में उन्होंने नौसेना छोड़ दी और एक भाड़े के सैनिक के रूप में उत्तर भारत की राजनीति में उतर आए। शुरुआत में वे पिंडारियों से जुड़े, फिर बेगम समरू की सेना में काम किया। वहां से हटाए जाने के बाद मराठा सरदार अप्पा राव के अधीन कार्य किया। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग शक्ति तैयार की और सिरसा से रोहतक तक फैले क्षेत्र पर अपना शासन स्थापित कर लिया। हांसी को उन्होंने अपनी राजधानी बनाया और यहां तक कि अपने सिक्के भी ढलवाए। 1796 में उन्होंने जहाज कोठी को अपनी रिहायश के लिए बनवाया और इसे अपनी महत्वाकांक्षा और शक्ति का प्रतीक बनाया। लेकिन उनका शासन अधिक समय तक नहीं चल सका। 1801 में मराठा-सिख-फ्रांसीसी गठबंधन ने उन्हें हराया और 1802 में गंगा नदी पार करते हुए उनकी मृत्यु हो गई। जॉर्ज थॉमस के बाद जहाज कोठी पर कर्नल जेम्स स्किनर का अधिकार हुआ। जेम्स स्किनर एंग्लो-इंडियन थे, जिनकी मां भारतीय और पिता स्कॉटिश अधिकारी थे। उन्हें "सिकंदर साहिब" के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश सेना के लिए दो घुड़सवार रेजिमेंट खड़ी कीं – जिन्हें आज भी स्किनर्स हॉर्स के नाम से भारतीय सेना में जाना जाता है। उन्होंने भी जहाज कोठी को अपने निवास के रूप में इस्तेमाल किया। उनके जीवन से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह है कि दिल्ली में स्थित प्रसिद्ध सेंट जेम्स चर्च (जिसे स्किनर ने बनवाया था) उनकी आस्था और शक्ति का प्रतीक है। जहाज कोठी को देखकर ऐसा लगता है जैसे कोई विशाल समुद्री जहाज़ ज़मीन पर खड़ा हो। इसका निर्माण जली हुई ईंटों, चूने, रेत और सुर्खी से हुआ है। सुर्खी जली हुई ईंटों या मिट्टी को पीसकर बनाई जाती है, जो गारे को मजबूती और टिकाऊपन देती है। इसकी ऊंची बालकनी से जब लोग पानी और नक्शे को देखते तो ऐसा प्रतीत होता मानो जहाज़ में बैठे हों। यह इमारत फ़िरोज़ शाह महल परिसर के भीतर स्थित है और कभी ठंडी सड़क से सीधे यहां पहुंचा जाता था। आज भले ही शहरीकरण के कारण इसका दृश्य बाधित हो गया हो, लेकिन इसके स्थापत्य को देखकर आज भी उस दौर की इंजीनियरिंग और सौंदर्यबोध का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। 2009 में हरियाणा सरकार ने इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया और बाद में यहां क्षेत्रीय पुरातात्विक संग्रहालय स्थापित कर दिया गया। इस संग्रहालय में लगभग 193 कलाकृतियां सुरक्षित हैं। इनमें सिंधु-सरस्वती सभ्यता से जुड़ी वस्तुएं, राखीगढ़ी, कुणाल और बनावली से प्राप्त टेराकोटा आकृतियां, चित्रित मिट्टी के बर्तन और सींग वाले देवता की मूर्तियां प्रमुख हैं। जैन धर्म से जुड़ी कलाकृतियां और जॉर्ज थॉमस का अंग्रेज़ी और फ़ारसी में शिलालेख भी संग्रहालय का हिस्सा हैं। जहाज कोठी का महत्व केवल स्थापत्य या संग्रहालय तक सीमित नहीं है। यह स्थान उस दौर का गवाह है जब भारत की धरती पर सत्ता संघर्ष चरम पर था। मराठे, सिख, अंग्रेज़ और स्थानीय शासक अपने-अपने प्रभाव का विस्तार कर रहे थे और विदेशी साहसी भी यहां सत्ता स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। जहाज कोठी इस इतिहास की जीती-जागती निशानी है। आज यह स्मारक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और हरियाणा राज्य पुरातत्व विभाग की देखरेख में है। संरक्षण की दिशा में प्रयास जारी हैं, परंतु चुनौतियां भी कम नहीं हैं। आसपास के शहरीकरण और अनियोजित निर्माण के कारण इसका दृश्य बिगड़ गया है। यदि इसे सही तरीके से पर्यटन मानचित्र पर स्थान दिया जाए और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो यह हरियाणा ही नहीं, पूरे उत्तर भारत का प्रमुख आकर्षण बन सकता है।

जहाज कोठी केवल एक इमारत नहीं, बल्कि इतिहास, स्थापत्य और संस्कृति का जीवंत संगम है। यह हमें बताती है कि कैसे एक जैन मंदिर विदेशी साहसियों की रिहायश बना और आज संग्रहालय का रूप लेकर हमारे अतीत से जोड़ रहा है। इस स्मारक को देखकर हमें न केवल अपने इतिहास पर गर्व होता है बल्कि यह भी सीख मिलती है कि हर इमारत अपने भीतर एक युग की कहानी समेटे रहती है। जरूरत है तो बस उसे समझने और सहेजने की।

कविता | **कृष्ण लाल गिरधर**

हर मानस नै मरणा हो सै

हर मानस नै मरणा हो सै, और धरती म्ह समावैगा।
गोद इसकी म्ह खेले खाए, आखर म्ह कित जावैगा?
राजा हो ,चाहे हो भिखारी, करती सब का माण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

देख्य सहनशील,रहा कर्म की माता, अन्न धन की खान है।
बख्त उठ चुचकारै इसनै, खेता म्हं जा किसान है।
देख्य दयावान, दानी कहावै, करती सब का कल्याण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

धीरज धरम सिखावण आली, अपनी छाती नै चीरै सै।
तन,मन, धन सब देकै अपना, बिन मांगे रहा जीवै सै।
देख्य कदै ना मरती, कदै ना डरती, रहा हर जीव का प्राण है।
धरती जननीं सब की माता, रहा म्हारी भगवान है।

कविता | **डॉ. फूल कुमार राठी**

गुरुजन गौरव गान

गुरुजन हों सैं ज्योत ज्ञान की, इनके काज सुनहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इनकी काहणी कहरे सैं ।।

'अ' तैं अटल रहवै लक्ष्य पै, 'आ' तैं आच्छया, आभावान।
'इ' तैं इतिहास रुखाळा, बड्डी 'ई' जितणा ईमान-2
'उ' तैं उत्तम और अनुपम, बड्डे 'ऊ' तैं ऊंचा स्थान।
'ऋ' तैं ऋजु, 'ए' तैं एकाग्र, 'ऐ' तैं ऐतबार की खान -2
'ओ' तैं ओजस्वी-सा चेहरा, 'औं' तैं औचित्य गहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'क' तैं कर्मठ, कर्मशील यो, 'ख' तैं खुद्दारी का नाम।
'ग़' तैं गहणा मेरे वतन का, 'घ' तैं घटी-बधी पै ध्यान-2
'च' तैं चरित्रवान, चटक यो, सदा रहवै चर्चा की ज्यान।
'छ' तैं तणकै छत्र खड़्या यो, छात्र का बणकै अभिमान -2
'ज' तैं जनसेवक, जनप्रिय, 'झ' तैं झण्डे फ़हरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'ट' तैं टिक्का यो मस्तक का, 'ठ' तैं ठाठ-ठिठौली सै।
'ड' तैं डगर दिखावणियाँ यो, सबका दात्ता मेल्ली सै -2
'ढ' तैं ढाळ सुहेली-सी यो, किबै ढारा, किबै हेल्ली सै।
'त' तैं यो तक़दीर बणावै, 'थ' तैं थावस गेल्ली सै-2
'द' तैं दयालु, 'ध' तैं धर्मी, 'न' तैं नरोत्तम कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं'।।

'प' तैं प्रबुद्ध और पवित्र, 'फ़' तैं यो फ़ळदायी सै।
'ब' तैं बुद्धिमान घणा यो, हद तैं घणा सहाई सै-2
'भ' तैं भगत, भला माणस यो, और भाईयां का भाई सै।
'म' तैं मिलनसार, मितभाषी, 'य' तैं यथार्थ परछाई से -2
'र' तैं रक्षक यो मूल्यां का, 'ल' तैं लगनी कहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

'व' तैं यो विद्वान बताया, 'श' तैं शुभचिंतक क्षण का।
'ष' तैं यो षट्दर्श करावै, 'स' तैं संतोषी मन का -2
'ह' तैं हलीमी खींचणियाँ यो, और हिसाबी सै धन का।
हुनरबाज़, होशियार, हिमाती, हितकारी से जन-जन का।
'फूल सिंह' फेर इसकै ऊपर, इतणे तगड़े पहरे सैं।
वर्णमाला के सारे अक्षर, इसकी काहणी कहरे सैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

धार्मिक नगरी | **वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था**

अंग्रेजों के साथ बेरी में भी हुआ था एक दिन का युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

प्र पाठय पुस्तकों मे बेरी-जहाजगढ़, रोहतक, खरखौदा आदि के युद्धों का उल्लेख नहीं किया गया, जबकि इन सभी उपरोक्त स्थानों पर रक्त रंजित युद्ध हुए हैं।

धार्मिक नगरी बेरी में भी एक दिन का भीषण युद्ध हुआ था। मुगल काल से ही बेरी-दुबलधन नाम से एक संयुक्त परगना कायम था तथा बेरी में एक छोटा किला भी मध्यकाल से ही बनाया गया था जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। आईने अकबरी पुस्तक में बेरी की गढ़ी का वर्णन प्राप्त होता है। उसी गढ़ी में बेरी के जाटों ने इकट्ठे होकर झज्जर के तत्कालीन शासक जॉर्ज थॉमस को ललकारा था। वर्ष 1794 में मराठों ने झज्जर-बेरी क्षेत्र को एक आयरलैंड वासी जॉर्ज थॉमस को जागीर के तौर पर प्रदान किया था। जॉर्ज ने झज्जर में उपयुक्त सैनिक भर्ती करके जमींदारों से कड़ाई से लगान वसूलना आरम्भ कर दिया। इसका बेरी के किसानों ने न केवल विरोध किया बल्कि जॉर्ज से टकराने को भी तैयार हो गए। झज्जर में आए जॉर्ज को एक-दो वर्ष ही हुए थे कि उन्होंने शीघ्र ही तोपें, बन्दूक व काफी युद्ध सामग्री इकट्ठी कर ली। उधर, बेरी वासियों ने भी गढ़ी में आवश्यक तैयारी कर ली जिसके लिए उन्होंने बाहर से भी राजपूत युवक बुला लिए थे।

इंग्लिश की एक पुस्तक में बेरी के युद्ध का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है। जैसा बेरी वासियों को अन्देशा था, जॉर्ज ने वर्ष 1795 के अन्त में बेरी पर आक्रमण कर दिया। तब पूरी तैयारी के साथ बेरी वासियों ने गढ़ी से बाहर निकलकर जॉर्ज के सैनिकों में कत्लेआम मचा डाला और भारी हानि के साथ जॉर्ज की सेना पीछे हटनी आरम्भ हो गई। लेकिन उसके एक घायल सैनिक को बेरी वालों ने जिन्दा ही आग में फेंक दिया। बेरी वालों ने अपनी रणनीति के तहत काफी मात्रा में सूखे कंटीले पेड़-पौधे काटकर पहले से ही आग लगाने की योजना बना रखी थी। तब हारकर पीछे लौटते हुए जॉर्ज के सैनिकों ने अपने सैनिक को जिन्दा आग मे फेंकता देखकर फिर से साहस जुटाने का निर्णय किया और एक बार फिर से युद्ध होने लगा। इस बार बेरी वासियों को हार का सामना करना पड़ा। बेरी वासी आस-पास के जंगल को कूच कर गए तथा कुछ गढ़ी में लौटने लगे। लेकिन इस बार जॉर्ज के सैनिकों ने बेरी की गढ़ी में प्रवेश करके वहां भी कत्लेआम कर डाला। बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

बेरी के बाद अगले वर्ष जॉर्ज ने काहनौर वासियों से भी एक दिन का युद्ध लड़ा था। जॉर्ज थॉमस ने भी वर्ष 1797 में अपना मुख्यालय झज्जर की अपेक्षा हांसी के प्राचीन किले में स्थापित कर लिया। वहीं पर उसको वर्ष 1801 में मराठा सेना के सामने आत्म समपर्ण करना पड़ा था।

झज्जर जिले के करबा बेरी में स्थित माता भीमेश्वरी देवी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

बेरी के युद्ध के बाद जॉर्ज ने अपनी सैन्य क्षमता को काफी बढ़ा लिया तथा झज्जर के पश्चिम में वर्ष 1796 में एक नया किला भी बना लिया। इसको जॉर्जगढ़ के नाम से पुकारा जाता था। उस किले के बाहर बस्ती बढ़ती गई और कुछ वर्षों बाद जहाजगढ़ नामक नया गांव ही आबाद हो गया।

फिर लौटेगा हरियाणवी फिल्मों का सुनहरा दौर : गीतू परी

कलाकार | **डॉ. तबस्सुम जहां**

हरियाणवी सिनेमा जगत की मशहूर एक्ट्रेस और प्रॉड्यूसर गीतू परी अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' को लेकर आजकल काफ़ी चर्चा में हैं। गीतू परी ने वीडियो सॉन्ग बखत, जुगनी, फकीरा और हरियाणवी स्टेज ऐप की फिल्म '12वीं आला प्यार', चौधर-पार्ट 1 और 2, अखाड़ा 2, वनवास, बूढ़ी काकी, अहंकार के अलावा हरियाणवी चौपाल ऐप पर फिल्म 'कच्छे धारी' आदि फिल्मों में अभिनय के जौहर दिखाए हैं।

अभिनेत्री एवं निर्मात्री गीतू परी का जन्म हरियाणा के जिला गोहाना में कोहला गांव में पिता चतर सिंह और माता मायावती के घर में हुआ। जब वह 5 साल की थीं तब इनका परिवार जींद में रहने लगा। इनकी शुरुआती पढ़ाई जींद से ही हुई। जब ये आठवीं क्लास में थी, तब अभिनय में रुचि पैदा हुई और इन्होंने स्कूल में ही नाटकों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। दसवीं क्लास तक आते-आते इनकी शादी हो गई। शादी के बाद गीतू परी गृहस्थी में उलझ कर रह गईं पर एक्टिंग से दूर होने का दुःख उन्हें लगातार सालता रहा। ससुराल में उन्होंने विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए दिल्ली में 'आर्ट एंड क्राफ्ट' में टीचर की जॉब की। बाद में जॉब छोड़कर एक फैशन शो में हिस्सा लिया। शो के दौरान ही उन्हें एक फिल्म में एक्टिंग करने का ऑफर आया जिसमें एक मां का कैरेक्टर था। इसके लिए उन्हें अपने परिवार की स्वीकृति मिल गई और इस प्रकार 2017 में पहली बार गीतू परी फिल्म 'अनकही' में कैमरे से रुबरु हुईं। उसके बाद से वह अनवरत बड़े प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं और अभिनय के क्षेत्र में निरंतर सफलता की ऊंचाइयों को छू रही हैं। गीतू परी ने अपने परिवार, कला और अभिनय से सम्बंधित अनेक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। फिल्मों में आने के लिए उनका सबसे पहला संघर्ष उनके अपने परिवार से था। पहले तो उनके मायके पक्ष या ससुराल पक्ष ने उनको सपोर्ट ही नहीं किया था। गीतू परी बताती हैं कि 'मेरे अंदर कहीं ना कहीं एक जज्बा था कि मुझे एक्टिंग लाइन में काम करना है, बच्चे बड़े होने के बाद अपने हस्बैंड के सपोर्ट से मैंने फिर से एक्टिंग लाइन में कदम रखा।' गीतू परी अभिनय के साथ फिल्म निर्माण से भी जुड़ी रही हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने और हरियाणवी इंडस्ट्री ने मुझे इतना प्यार और सहयोग दिया है। हरियाणा में सिनेमा को लेकर बहुत अच्छा काम हो रहा है। मैंने कई फिल्में लिख रखी हैं, उन सब फिल्मों को पर्दे पर उतारने की मेरी पूरी पूरी कोशिश रहेगी। हरियाणवी सिनेमा की स्थिति के बारे में पूछने पर गीतू परी कहती हैं कि फिल्म 'चंद्रावल' ने अपने समय में एक मुकाम हासिल किया था और उसके काफी टाइम बाद राजीव भाटिया की फिल्म 'पगड़ी' से एक उम्मीद जागी और फिर संदीप शर्मा की फिल्म सतरंगी और यशपाल शर्मा निर्देशित 'दादा लखमी' ने वही फिल्म चंद्रावल जैसा माहौल थियेटर में बना दिया।

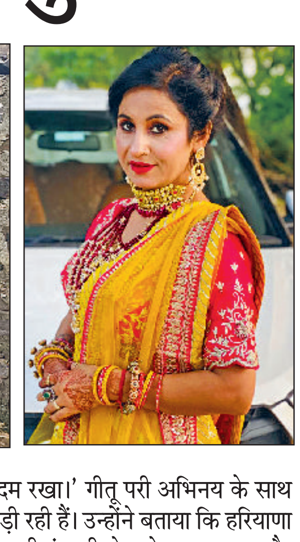

फिल्म 'दादा लख्मी' से मिली पहचान

बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा के निर्देशन में बनी हरियाणवी फीचर फिल्म 'दादा लख्मी' गीतू परी के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इस फिल्म को राष्ट्रीय अवार्ड समेत सैकड़ों देशी-विदेशी अवार्ड मिले हैं। इस फिल्म से गीतू परी को भी ब्रेक मिला। अपने आने वाले प्रोजेक्ट 'सांगी' के विषय में गीतू परी ने बताया कि हरियाणवी स्टेज पर उनकी आने वाली फिल्म 'सांगी' हरियाणवी संस्कृति को दर्शाती है। इस फिल्म से उन्हें काफी उम्मीदें हैं। वे बताती हैं कि यह एक जूनूनी बच्चे की स्टोरी है। इसमें बहुत सारे नए और पुराने कलाकारों ने काम किया है। इस फिल्म में 12 गाने हरियाणा के लोगों को देखने और सुनने को मिलेंगे। यह कहानी अपने आप में पूरे हरियाणा को समेटे हुए होगी। वह करीब दो साल से इस स्टोरी पर काम कर रही थी। इसके डायरेक्टर रविंद्र बजवान अन्ना हैं जिन्होंने फिल्म को बहुत अच्छे से डायरेक्ट किया है। गीतू के आगामी प्रोजेक्ट में बाबा जी की कुटिया, छन्नू ताई ,खजनी शेरगढ़ वाली, आदि कई वीडियो गीत और शार्ट फिल्में हैं। फिलहाल इन पर काम चल रहा है। वर्तमान में ओटीटी प्लेटफार्म आने से थियेटर वालों के लिए चिंता बढ़ी है, ऐसी स्थिति में गीतू परी को नहीं लगता है कि ओटीटी आने से थियेटर पर कोई असर पड़ेगा क्योंकि थिएटर पर ढाई से 3 घंटे की फिल्म देखी जाती है और ओटीटी पर शॉर्ट फिल्म, वेब सीरीज, आदि ने अपनी जगह बनाई हुई है। ओटीटी के आने के बाद भी लोग थियेटर में जाकर फिल्म देखना पसंद करते हैं।

खबर संक्षेप

डोडा पोस्त तस्करी में सप्लायर दबोचा

फतेहाबाद। नशा मुक्ति एवं अपराध रोकथाम अभियान के अंतर्गत एएनसी सेल फतेहाबाद की टीम ने 11 किलोग्राम डोडा पोस्त के मामले में फरार चल रहे मुख्य सप्लायर को उसकी गाड़ी सहित गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सतपाल पुत्र नारायण निवासी कुकडांवाली के रूप में हुई है। एएनसी सेल प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि 12 सितम्बर की रात को एएसआई भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम अपराध रोकथाम हेतु दरियापुर बस अड्डा, एनएच-9 पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया।

सूदखोरों पर फतेहाबाद पुलिस का शिकंजा

फतेहाबाद। नशा तस्करों के बाद अब पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने सूदखोरों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। जिलेभर में अवैध रूप से अत्यधिक ब्याज दरों पर कर्ज देकर आमजन को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक शोषण में झोंकने वाले 5 सूदखोरों को पुलिस द्वारा डिटेन कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की गई है। एसपी का कहना है कि यह कार्रवाई केवल एक कानूनी पहल नहीं, बल्कि उन सैकड़ों पीड़ित परिवारों के लिए राहत और सुरक्षा का संदेश भी है जो वर्षों से इन सूदखोरों के चंगुल में फंसे हुए थे।

छिंद्रपाल ने नेशनल मैराथन में पाया तीसरा स्थान

सिरसा। जिला के गांव नकौड़ा निवासी मा. छिंद्रपाल सिंह ने लखनऊ में आयोजित नेशनल मैराथन में 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। पुरस्कार के तौर पर उन्हें 7 हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। इस सिलसिले में मा. छिंद्रपाल सिंह ने बताया कि लखनऊ में इस नेशनल मैराथन में देशभर से करीब 15 हजार प्रतिभागियों ने भाग लिया था। 60 से अधिक की उम्र होने के बाद भी अपने नियमित अभ्यास से उन्होंने इस मैराथन में तीसरा स्थान हासिल कर गांव व जिले का नाम रोशन किया।

400 ग्राम सुल्फा का सप्लायर गिरफ्तार

नारनौंद। सीआईए स्टाफ नारनौंद ने 400 ग्राम सुल्फा के असल सप्लायर पानीपत के मतलोढा निवासी मनु पानीपत को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ नारनौंद में तैनात एएसआई अनिल ने बताया कि आरोपित युवक ने कुछ दिनों पहले रामायण निवासी विकाश व राजीव को 400 ग्राम चरस सप्लाई किया था। आरोपित युवक के खिलाफ थाना शहर हांसी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। इसी मामले में सीआईए स्टाफ ने काबू कर लिया। उसे अदालत में पेश किया गया।

सड़के हादसे में उद्घघोषित अपराधी गिरफ्तार

हांसी। सिसाय पुल पुलिस चौकी ने एक्सीडेंट मामले में उद्घघोषित अपराधी दिल्ली गेट निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है। सिसाय पुल चौकी हांसी में तैनात मुख्य सिपाही प्रमोद ने बताया कि अदालत द्वारा पकड़े गए आरोपी को शहर थाना में दर्ज एक एक्सीडेंट मामले में उद्घघोषित अपराधी करार दिया हुआ था। पुलिस चौकी सिसाय पुल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

फुटबॉल बॉयज खेल नर्सरी के लिए ट्रायल आज

हिसार। खेल विभाग हरियाणा की ओर से 2025-26 सत्र के लिए गवर्नमेंट स्कूल व ग्राम पंचायत ढंढेरी को खेल नर्सरी अलॉट की दी गई है। इसमें ढंढेरी गांव के शहीद निशांत मलिक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को भी बॉयज की फुटबॉल नर्सरी अलॉट हुई है। इस नर्सरी के लिए 15 सितम्बर को सांय 3 बजे स्कूल के खेल स्टेडियम में प्रिंसिपल ओमवती आर्या, डीपी दीपक पंवर, सरपंच संदीप मलिक, नर्सरी कोच शैलेंद्र मलिक की देखरेख में ट्रायल ली जाएगी।

सांसद ने खिलाड़ियों को खेल महोत्सव में भाग लेने के लिए किया प्रोत्साहित

2047 के विकसित भारत में युवाओं की होगी बड़ी भूमिका : सुभाष बराला

- इच्छुक खिलाड़ी 20 सितम्बर तक प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण करवा सकते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। यह आयोजन युवाओं को खेलों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगा। सांसद सुभाष बराला रविवार को दमकौरा स्टेडियम पहुंचे और खिलाड़ियों को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी 20 सितम्बर तक इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण करवा सकते हैं और अपनी रुचि के अनुसार प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं।

टोहाना। दमकौरा स्टेडियम में खिलाडियों से बातचीत करते सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

सांसद बराला ने बताया कि इस महोत्सव में 12 प्रमुख खेलों वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, नेशनल कबड्डी, दस ओवर क्रिकेट, हॉकी, हैंडबॉल, जेवलिन थ्रो, शॉट पुट, लांग जंप, बॉक्सिंग, 100 और 400 मीटर रेस प्रतिस्पर्धा होगी। प्रतियोगिता तीन स्तरों ग्राम/नगर स्तर, विधानसभा स्तर और लोकसभा स्तर पर आयोजित की जाएगी। ग्राम और नगर से प्रारंभ होकर विजेता टीमें ब्लॉक और विधानसभा स्तर तक पहुंचेंगी और अंततः लोकसभा स्तर पर मुकाबले होंगे। सांसद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव देश का सबसे बड़ा खेल आयोजन है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच देना है। इसमें भाग लेने वाले खिलाडिय़ों की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का आह्वान किया है और इसमें युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सांसद ने की सराहना

दमकौरा स्टेडियम की भव्यता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए सांसद ने कहा कि यह स्टेडियम इस क्षेत्र के साथ-साथ अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के लिए भी प्रशिक्षण का केंद्र बन चुका है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को यहां प्रशिक्षण के लिए अवश्य भेजें ताकि उनकी खेल प्रतिभा निखर सके। सांसद ने खिलाड़ियों से पंजीकरण करवाने के साथ-साथ अन्य युवाओं को भी इस महोत्सव से जुड़ने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों और बच्चों में इस प्रतियोगिता को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है और निश्चित ही यह महोत्सव युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की राह खोलने वाला साबित होगा।

भगवान की भक्ति करे मनुष्य: सुगन शर्मा

- भरत राजा की कथा सुनाते हुए बताया कि उन्हीं के नाम से हमारे इस भारत वर्ष का नामकरण हुआ
- श्रीमद्भागवत कथा एक ऐसा ज्ञान सागर है, जिसमें डूबकी लगाने से व्यक्ति का जीवन सफल हो जाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

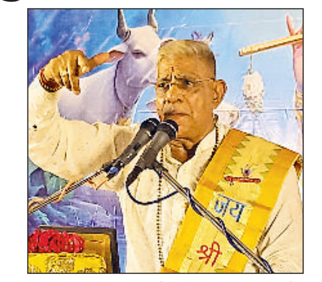

सिरसा। कथा करते पंडित सुगन शर्मा।

श्री बंसीवट कथा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में रविवार को कथाव्यास पंडित सुगन शर्मा ने भगवान ऋषभ देव, जैन पंथ कि स्थापना, भरत ऋषि के जन्म, हिरन के बच्चे के प्रति आसक्ति होने से अगला जन्म हिरन के रूप में लेकर भगवान की भक्ति कर परम धाम पाने की मनमोहक कथा सुनाई। कथाव्यास ने कहा कि प्रत्येक प्राणी को सांसारिक मोह माया में न पडक़र भगवान की भक्ति में अपना जीवन लगाना चाहिए। हम उस परमात्मा के हाथ की कठपुतली हैं। जैसा किरदार हमें इस कठपुतली के खेल में मिला है उसे पूर्ण रूप से निभाना चाहिए। परमात्मा को भोले व निष्कपट ही प्रिय हैं और जो ज्यादा तर्क करता है या बुद्धिमान बनता है वो परमात्मा को प्रिय नहीं है। भगवान तो भाव के भूखे हैं धन वैभव के नहीं। स्वयं मां लक्ष्मी उनके अधीन हैं। पंडित सुगन शर्मा ने भरत राजा की कथा सुनाते हुए बताया कि उन्हीं के नाम से हमारे इस भारत वर्ष का नामकरण हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान का भजन बाल्यकाल से आरंभ कर देना चाहिए। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा एक ऐसा ज्ञान सागर है, जिसमें डूबकी लगाने से व्यक्ति का जीवन सफल हो जाता है। कथा हमें न केवल धर्म के मार्ग पर चलना सिखाती है, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने के लिए भी प्रेरित करती है।

ये रहे उपस्थित

कथा के दौरान श्री बंसीवट कथा समिति के प्रधान इंद्रकुमार, सुनील गोयल, संजय तायल, राधेश्याम बंसल, रामकुमार जैन, संदीप सोनी, मुनीष शर्मा, संजय गोयल, राजेंद्र जिंदल, दयानंद वर्मा, भवानी शंकर, तरुण, दीपक शर्मा, अश्विनी, रामअवतार, राधा सहित शहर के गणमान्य लोगों ने आरती की। अंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

रविवार सुबह गांव लहरियां के पास दर्दनाक सड़क हादसा

आवारा पशु से टकराई बाइक, युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

गांव लहरियां के समीप रविवार सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। हादसे में 35 वर्षीय बलराज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार 26 वर्षीय लखबीर शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों भूना के चंदन नगर के निवासी हैं। हादसा उस समय हुआ जब सडक़ पार कर रहा एक आवारा पशु अचानक मोटरसाइकिल के सामने आ गया और बाइक उसकी टक्कर से अनियंत्रित होकर गिर गई।

मिली जानकारी के अनुसार, बलराज सिंह अपने छोटे भाई से दो हजार रुपये लेकर धारसूल गांव से लौट रहा था। उसके साथ उसका साथी लखबीर शर्मा भी था। दोनों डिलक्स मोटरसाइकिल पर सवार होकर भूना की ओर आ रहे थे। जैसे ही वे लहरियां गांव के पास पहुंचे, एक आवारा पशु अचानक सडक़ पर आ गया। तेज रफ्तार होने की वजह से बलराज बाइक पर संतुलन नहीं रख पाया और सीधा पशु से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सडक़ पर दूर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत एंबुलेंस सेवा को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भूना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बलराज सिंह को मृत घोषित कर दिया, वहीं लखबीर की हालत गंभीर देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। बलराज सिंह की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भूना। हादसे का शिकार हुआ मोटरसाइकिल।

ग्रामीणों ने की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सडक़ों पर घूम रहे आवारा पशुओं की उचित व्यवस्था की जाए ताकि ऐसे हादसे दोबारा न हों। पुलिस चौकी इंचार्ज दलबीर सिंह ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पोस्टमार्टम कार्रवाई की गई। पुलिस ने इतफाकिया कार्रवाई की है।

रचनात्मक संदेश देंगे युवा योद्धा सम्मेलन: दिग्विजय

- कहा : प्रदेशभर में सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ युवाओं को मंच देगी जेजेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि आगामी 23 सितंबर को सिरसा में युवा योद्धा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जो युवाओं को अपनी राजनीतिक पहचानने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। दिग्विजय चौटाला रविवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बतौर युवा जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष उन्हें दो माह पूर्व ही प्रदेशभर के युवाओं को एक मंच पर लाने के लिए युवा जोड़ो अभियान की जिम्मेदारी मिली थी और इस दो माह के दौरान उन्होंने करीब 650 से अधिक गांवों में युवाओं से संपर्क साधकर उन्हें एक मंच पर लाने के लिए युवा योद्धा सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया। इसी कड़ी में पहला सम्मेलन सिरसा में आगामी 23 सितंबर को होगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि पार्टी के निर्णयानुसार युवा योद्धा सम्मेलन प्रत्येक सप्ताह हरियाणा के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जाएंगे और सिरसा के बाद दूसरा सम्मेलन कैथल जिले में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि युवा जेजेपी द्वारा इन सम्मेलनों को आगामी 13 मार्च से पूर्व सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन की आवश्यकता पिछले लंबे समय से महसूस हो रही थी क्योंकि वर्तमान समय में युवाओं के समक्ष बेरोजगारी, महाविद्यालयों में रिक्त पड़ी सीटें, विवि में कट्टरता भरी सोच का प्रसार, महंगी होती शिक्षा, अपराध, नशा जैसी अनेक समस्याओं ने सिर उठाया हुआ है।

सिरसा। जेजेपी नेता दिग्विजय चौटाला मीडिया से रूबरू होते। फोटो : हरिभूमि

युवा देंगे रचनात्मक संदेश

उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि युवा वर्ग इस सम्मेलन के माध्यम से सरकार को उनकी गलत नीतियों के लिए चेताएंगे और जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला के सान्निध्य में एवं प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम के नेतृत्व में अपनी रचनात्मकता से पूरे हरियाणा के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश देंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि डबवाली को जिला बनाने के उद्देश्य से वे प्रबलता से सरकार से समन्वय बनाए हुए हैं और सरकार को इसे जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए। दिग्विजय ने इस अवसर पर कहा कि उन्होंने डबवाली के विकास के लिए जिस प्रकार समीपवर्ती पंजाब में रिफाइनरी प्रबंधन से जिन मुद्दों को पूरा करवाने की मुहिम शुरू की थी, उस मुहिम में कुछ मुद्दों को पूरा कर लिया गया है और शेष को जल्द ही पूरा करवा लिया जाएगा। दिग्विजय सिंह चौटाला ने इस दौरान बाढ़ व अत्याधिक बरसात के प्रभाव से किसानों को हुए नुकसान के लिए पंजाब की तर्ज पर हरियाणा को भी विशेष पैकेज देने की मांग की। इस अवसर पर उनके साथ जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा, अमर सिंह ज्याणी, दीपक भाटिया व कुलदीप जांगू भी मौजूद थे।

पुलिस ने खेल प्रतियोगिताएं करवाकर युवाओं से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

- ओढ़ा थाना प्रभारी ब्रह्मप्रकाश ने गांव मलिकपुरा के खेल स्टेडियम में पहुंचकर युवाओं का मार्गदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

पुलिस द्वारा नशा मुक्त समाज अभियान पूरे जोर शोर से चलाया जा रहा है। युवा पीढ़ी पुलिस के प्रयासों से प्रभावित होकर नशे की लत से दूर रहकर खेलों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं व खेलों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग ले रहे हैं।

इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ओढ़ा थाना प्रभारी ब्रह्मप्रकाश ने गांव मलिकपुरा के खेल स्टेडियम में पहुंचकर युवाओं का मार्गदर्शन किया। एसपीओ हरगोबिंद ने चोरमार खेड़ा में खेल प्रतियोगिताएं करवाकर युवाओं का हौसला बढ़ाया और नशे से दूर रहने व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने बारे प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के 17 नशा पीड़ितों को नया जीवन देने व नशे की लत से बाहर निकालने के लिए उनकी काउंसलिग करवाकर उन्हें सरकारी अस्पताल से 5 दिन की दवाई दिलवाई गई।

सिरसा। गांव मलिकपुरा में थाना प्रभारी ब्रह्मप्रकाश खिलाडियों के साथ।

पीड़ितों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

नशा पीड़ितों को दवाई दिलवाने के उपरांत उन्हें नशे के दुष्परिणामों से अवगत करवाते हुए परिजनों के हवाले किया गया। साथ ही उपचाराधीन 50 नशा पीड़ितों के घर जाकर उनके स्वास्थय में आए सुधार के बारे में जानकारी ली गई। बाद नशा पीड़ितों के इलाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए उनकी देखभाल के लिए नियुक्त किए गए पुलिस कर्मचारियों द्वारा उनसे फोन व प्रत्यक्ष रूप से बात करके उनका फीडबैक लिया जाएगा। जिससे कि कोई भी नशा पीड़ित दवाई से वंचित ना रहे व उसका इलाज सुचारू रूप से पूर्ण हो, जिसके परिणामस्वरूप नशा

बिश्नोई सभा के स्थापना दिवस पर आयोजित साप्ताहिक समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

बिश्नोई सभा सिरसा के 51वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर सिररसा में चल रहे साप्ताहिक जाम्भाणी हरिकथा ज्ञानयज्ञ रविवार को संपन्न हो गया। पूर्व संध्या में विशाल रात्रि जागरण व प्रातःकाल सरसाईनाथ मन्दिर के महन्त सुन्दराईनाथ द्वारा ध्वजारोहण पश्चात कथावाचक, जाम्भाणी प्रचारक विष्णु उपाय श्रद्धेय सन्त संदीप के सान्निध्य में हवन-यज्ञ व पाहल कार्यक्रम रहा। मुख्य अतिथि देवेंद्र भादू ने अपने सम्बोधन में बिश्नोई पंथ की महता बताते हुए गुरु जाम्भोजी महाराज के दिखाए मार्ग पर चलने पर जोर दिया। उन्होंने 29 नियमों की प्रासंगिकता, साईबर क्राइम, पर्यावरण संरक्षण, जीव दया, नशा वृति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपने विचार रखे। कृपा शंकर बिश्नोई पटेल ने खेलों की महत्ता बताते हुए बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ इनमें भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सिरसा। अतिथियों व अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते आयोजक।

इस अवसर पर ये रहे उपस्थित

इस मौके पर पटेल बिश्नोई अर्जुन अवार्डी, सुधीर गोदारा, डा. महेंद्र कुमार भादू सिविल सर्जन सिरसा, सभा प्रधान खेम चंद बैनीवाल, सोम प्रकाश बिश्नोई, गंगा राम ढाका, डा. तपस्या बिश्नोई, विंग कमाण्डर वायु सेना, सुभाष सिहाग एसएचओ साइबर क्राइम सहित बिश्नोई सभा, सिरसा के उप प्रधान कृष्ण पाल बैनीवाल, ओम प्रकाश पूनिया, सचिव ओपी बिश्नोई, कोषाध्यक्ष राज कुमार बैनीवाल, सह सचिव भूप सिंह कस्वां, जगतपाल कड़वासरा, प्रचार सचिव डा. मनीराम सहारण, कार्यकारिणी सेवक दल सदस्य तथा सैंकड़ों की संख्या में स्त्री, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे।

मन का प्रदूषण संपन्न होने से ही बाहरी पर्यावरण होगा : साध्वी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- जब-जब मानव भोग वासना की ओर प्रवृत्त हुआ, तब-तब समाज रुपी यमुना विषाक्त होती गई
- पृथ्वी के हाहाकार से, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति का स्तर भी बढ़ जाएगा

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्रीमद्भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में पर्यावरण असंतुलन की समस्या को उठाते हुए साध्वी कालिंदी भारती ने कहा कि समाज मानव मन की अभिव्यक्ति है। जब जब संतों के आदर्शों का परित्याग करते हुए मानव भोग वासना की ओर प्रवृत्त हुआ, तब-तब समाज रुपी यमुना विषाक्त होती गई। उन्होंने कहा कि संतों के बताए मार्ग पर चलकर हम पृथ्वी को रसातल के मार्ग पर भेजने से बचा सकते हैं। साध्वी जी ने इस गंभीर मुद्दे पर कहा कि आज का आधुनिक मानव जिस गति से पर्यावरण का शोषण कर रहा है, उसके परिणाम स्वरूप आने वाले कुछ समय में पृथ्वी पर न तो पीने के लिए स्वच्छ जल बचेगा और न ही सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु। पृथ्वी के हाहाकार से, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति का स्तर भी बढ़ जाएगा। इसलिए यदि समय रहते इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए तो मानव अपने भविष्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। वर्तमान समय में यदि कोई आपदा मानव जीवन को खत्म करने का प्रयत्न कर रही है तो वह है पर्यावरण में बढ़ रहा प्रदूषण। इसमें तेजी से हो रही बढ़ोतरी के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार चढ़ता जा रहा है व समुद्र के पानी का स्तर ऊपर उठता जा रहा है।

स्वच्छता अभियान | पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दो घंटे का श्रमदान का संकल्प लिया

थानों में भी खिलने लगी स्वच्छता की बयार, झाड़ू लेकर पुलिस कर्मचारियों ने की साफ-सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

रविवार की सुबह जिले के थानों और चौकियों में रोजमर्रा से कुछ अलग नजारा था। पुलिसकर्मी झाड़ू, रंग-ब्रश और पौधे लिए थानों के आंगन में जुटे थे। कोई दीवारों पर रंग कर रहा था, कोई पुराने रिकॉर्ड को व्यवस्थित कर रहा था, तो कोई परिसर में पौधारोपण में व्यस्त था। यह कोई विशेष आयोजन नहीं, बल्कि एक नियमित अभ्यास बन चुका है स्वच्छ थाना-चौकी, स्वच्छ समाज।

इस बदलाव की अगुवाई कर रहे हैं पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस ने यह संकल्प लिया है कि हर रविवार, दो घंटे का श्रमदान पुलिस कर्मियों द्वारा स्वयं किया जाएगा ताकि न सिर्फ थाने स्वच्छ हों, बल्कि समाज को भी एक प्रेरणा मिल सके। एसपी जैन ने देखा कि यदि थाने और चौकियां स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के अनुकूल हों, तो न केवल आमजन में विश्वास बढ़ेगा, बल्कि पुलिसकर्मियों का मनोबल भी। आज, जिले के हर थाना, चौकी और क्राइम यूनिट में सफाई के साथ-साथ सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, रंगाई-पुताई, दस्तावेज़ प्रबंधन, और अनुपयोगी वस्तुओं की छंटाई जैसे कार्य नियमित रूप से हो रहे हैं। इस अभियान की खूबसूरती यह है कि यह केवल निर्देशों से नहीं, सभी रैंक के पुलिसकर्मियों की सहभागिता से आगे बढ़ रहा है। अधिकारी हों या कांस्टेबल, सब कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

फतेहाबाद। थाने में साफ-सफाई करते पुलिस कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

अभियान टीम भावना को भी जन्म दे रहा

यह सिर्फ साफ-सफाई नहीं, बल्कि सकारात्मक कार्यसंस्कृति और टीम भावना को भी जन्म दे रहा है। अब थाने में जाने वाले नागरिकों को न केवल स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय और बैठने की बेहतर व्यवस्था मिल रही है, बल्कि एक सहानुभूतिपूर्ण और मैत्रीपूर्ण वातावरण भी महसूस हो रहा है। पुलिस अधीक्षक जैन बताते हैं कि शिकायतकर्ता जब थाने आते हैं, तो उनका स्वागत संवेदनशीलता से किया जाए, उनकी बात को शांति और सहानुभूति से सुना जाए यही हमारा प्रयास है। पुलिस की ओर से जिलेवासियों से अपील की जाती है कि स्वच्छता एक जिम्मेदारी है, जो केवल किसी एक की नहीं, हम सबकी है। आइए, इस परिवर्तन की यात्रा में सहभागी बनें और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

खबर संक्षेप

निरंजर सिंह सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन नियुक्त

रानियां। थेड़ी मोहर सिंह के सरपंच निरंजन सिंह को सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन मनोनीत किया गया। जिस पर एमिनेंट पर्सन

सरपंच निरंजन सिंह नेमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली व अन्य पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। सरपंच निरंजन सिंह को यह जिम्मेवारी पार्टी के प्रति निष्ठा व समर्पण की बदौलत दी गई है। निरंजन सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उसे जो जिम्मेवारी दी है वह उसे पूर्ण निष्ठापूर्वक व बिना किसी पक्षपात के निभाने का कार्य करेंगे तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों की रक्षा सम्मान रूप से करेगा।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

सिरसा। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिले के शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगरपरिषद सिरसा, डबवाली, नगरपालिका कालांवाली, रानियां व ऐलनाबाद में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान जारी है। नगरपरिषद व नगरपालिकाओं की टीम लगातार सफाई अभियान में जुटी है और कूड़ा एकत्रित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ आमजन को स्वच्छता बनाए रखने, पॉलिथिन का उपयोग न करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने बताया कि नगरपरिषदों व नगरपालिकाओं की गाडिय़ां नियमित रूप से डोर-टू-डोर कूड़ा उठान के कार्य में लगी हुई हैं।

सामाजिक संस्था ने भेजी बाढ़ पीड़ितों के लिए मदद

सिरसा। शहर की सामाजिक संस्था बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ गु्रप की अध्यक्ष सुमन वर्मा ने जिलावासियों के सहयोग से राहत सामग्री एकत्रित कर बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी है। भेजी गई राहत सामग्री में खाद्य सामग्री, मेडिकल किट, चटाई, कंबल सहित अन्य सामान शामिल है। सुमन वर्मा ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के किसान एक-दूसरे के साथी हैं। बाढ़ से प्रभावित पंजाब को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब हमारा साथी राज्य है और वहां के किसान हमारे अपने किसान हैं। किसी भी सूरत में हम पंजाब को अकेला नहीं छोड़ेंगे।

वीआईपी नंबर दिलाने के नाम पर ठगी, गिरफ्तार

फतेहाबाद। ऑनलाइन माध्यम से वीआईपी सिम नंबर दिलाने के नाम पर ठगी करने के मामले में भट्टूकलां पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेश उर्फ राज पुत्र कंवरपाल निवासी माओली जागरण कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़ के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां साइबर हेल्पडेस्क प्रभारी उपनिरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि इस बारे गांव मानावाली निवासी बलदेव पुत्र कान्हा राम ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार बलदेव ने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा जिसमें वीआईपी सिम नंबर दिलाने का दावा किया गया था। उक्त विज्ञापन के माध्यम से संपर्क करने पर आरोपी ने ऑनलाइन लेन-देन के जरिये धोखाधड़ी करते हुए उससे पैसे ठग लिए।

हैप्पी मॉडल स्कूल में चोरी का आरोपी काबू

रतिया। शहर के हैप्पी मॉडल स्कूल में चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए रतिया पुलिस ने एक युवक को रिफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान अंकुश पुत्र लूणा राम निवासी गांव अलावलवास के रूप में हुई है। थाना रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 12 सितम्बर को वरुण कुमार पुत्र अमीर चंद निवासी वार्ड नं. 11, टिब्बा कॉलोनी, रतिया की शिकायत पर केस दर्ज किया था। थाना रतिया में दी शिकायत में कहा गया था कि हैप्पी मॉडल स्कूल में सेंध लगाकर अज्ञात चोरों ने दो इनवर्टर बैटरियाँ व एक एलईडी चुरा ली। शिकायत प्राप्त होते ही थाना रतिया पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

लोग बोले- हम गंदगी के साथ रहने को मजबूर

भट्टू में टेंडर के बावजूद नहीं हो रहा कचरे का उठान, जगह- जगह लगे कूड़े के ढेर

लोग बोले- नहीं हो रही सुनवाई

रण सिंह माचरा ▶▶ भट्टूकलां

भट्टू में सफाई व कचरा उठाने के टेंडर होने के बावजूद यहां कचरा नहीं उठाया जा रहा है। न यहां सफाई होती है। हालात यह है कि मण्डी व आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। चारों तरफ बदबू फैली हुई है। सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। यहां आने-जाने वाले व्यापारियों, किसानों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कूड़ा लंबे समय से नहीं उठाया जा रहा, जिससे बदबू फैल रही है और संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। कूड़ा उठाने का टेंडर पहले ही दिया जा चुका है, इसके बावजूद सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। मार्केट कमेटी के अधिकारी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। न तो कोई अधिकारी जवाब दे रहा है और न ही कूड़ा उठाने के लिए कोई कदम उठाया जा रहा है। इससे लोगों में भारी रोष है और स्थानीय व्यापारी संघ जल्द ही विरोध प्रदर्शन की चेतावनी भी दे चुके हैं। एक दुकानदार रमेश सोनी ने बताया, कई बार फोन कर चुके हैं, यहां तक कि शिकायत पत्र भी दिया गया, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही। अब तो हालात ऐसे हो गए हैं कि ग्राहक भी आने से कतराने लगे हैं।

भट्टूकलां। मण्डी में लगे कूड़े के ढेर। फोटो : हरिभूमि

गंदगी देखकर मन हो रहा खराब

एक किसान श्याम सुंदर का कहना है, हम सुबह सब्जी लेकर मंडी आते हैं, लेकिन चारों तरफ गंदगी देखकर मन खराब हो जाता है। उन्होंने प्रशासन से सवाल किया कि जब टेंडर हो चुका है तो कूड़ा क्यों नहीं उठ रहा। टेंडर लेने वाली एजेंसी को जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया जा रहा। मार्केट कमेटी के अधिकारी सब जानते हुए भी चुप क्यों हैं। मंडी की सफाई व्यवस्था को सुधारने की जिम्मेदारी किसकी है। भट्टू मंडी की यह स्थिति साफ तौर पर प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती है। आम जनता और व्यापारियों की चिंता को अनदेखा करना न केवल गलत है, बल्कि यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी खतरा बन सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन कब तक इस गंदगी पर कार्रवाई करता है या फिर जनता को सडक़ों पर उतरना पड़ेगा।

बिजली बिल के नाम पर ठगी के मामले बढ़े : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

- बिजली बिल नहीं, साइबर बिल, फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही उड़ रही जनता की जमापूंजी

एसपी सिद्धांत जैन।

हाल के दिनों में बिजली बिल के नाम पर साइबर ठगी के मामलों में तेजी आई है। आम नागरिकों को बकाया बिल के नाम पर डराकर फर्जी लिंक भेजे जा रहे हैं, जिन पर क्लिक करते ही लोग अपनी मेहनत की कमाई से हाथ धो बैठते हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने इस बढ़ती ठगी के मामलों को गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर पर नागरिकों को आगाह किया है और एक विशेष साइबर एडवाइजरी जारी की है।एसपी ने बताया कि लोगों को एसएमएस, व्हाट्सएप या कॉल पर संदेश मिल रहे हैं कि आपका बिजली बिल लंबित है, आज ही भुगतान करें वरना कनेक्शन काट दिया जाएगा। साथ में एक फर्जी लिंक या मोबाइल नंबर दिया जाता है। लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति नकली वेबसाइट या मालवेयर युक्त एप पर पहुंच जाता है, जो बिजली विभाग की आधिकारिक साइट जैसी दिखती है। वहां बैंक डिटेल्स, ओटीपी, यूपीआई पिन आदि भरवाए जाते हैं और ठग खाते से पूरी रकम उड़ा लेते हैं। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों को ठगी से बचाने के लिए निम्न सुझाव जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि कभी भी मोबाइल पर आए लिंक पर क्लिक न करें, भले ही संदेश असली लगे। बिल भुगतान से जुड़ी जानकारी केवल बिजली विभाग की आधिकारिक वेबसाइट/एप से ही लें। कोई भी ओटीपी, डेबिट कार्ड जानकारी या यूपीआई पिन फोन पर किसी से साझा न करें। यदि ऐसा कोई संदिग्ध मैसेज या कॉल आए तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या निकटतम साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराएं। एसपी ने कहा कि इस प्रकार की ठगी से सबसे अधिक वरिष्ठ नागरिक, ग्रामीण क्षेत्र के लोग और तकनीकी रूप से कम जानकार लोग प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए परिवार के युवा सदस्यों से अपील की गई है कि वे अपने घर के बुजुर्गों और आसपास के लोगों को इस धोखाधड़ी से अवगत कराएं।

85 यूनिट रक्तदान कर युवाओं ने दी गो ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद महाराज को श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

गांव नाढोड़ी में बाबा रामदेव मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में गौ ऋषि श्री स्वामी राजेंद्रानंद महाराज जी की स्मृति में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और 85 यूनिट रक्तदान कर समाजसेवा का उदाहरण पेश किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा रामदेव कथावाचक परीक्षित महाराज ने की, जबकि संचालन मंदिर कमेटी के प्रधान फकीर गोदारा उर्फ पप्पू ने किया। रक्तदान शिविर में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की ब्लड बैंक टीम मौजूद रही, जिसकी अगुवाई टीम इंचार्ज परमजीत जाखड़ ने की।

भूना। नाढोड़ी में गौ ऋषि श्री स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए परमजीत जाखड़ ने कहा कि रक्तदान से शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे साल में कम से कम एक बार अवश्य रक्तदान करें और दूसरों की जिंदगी बचाने में सहयोग दें।मंदिर सेवा समिति की ओर से रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में स्वामी राजेंद्रानंद महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जनता को महसूस नहीं होने देंगे कि उनका विधायक सरकार में नहीं : भ्याना

- फतेहाबाद विधानसभा के प्रभारी विधायक विनोद भ्याना ने बीजेपी कार्यकर्ताओं की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हांसी के विधायक एवं फतेहाबाद विधानसभा के प्रभारी विधायक विनोद भ्याना रविवार को बीजेपी जिला कार्यालय में पहुंचे। यहां पहुंचने पर भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व फतेहाबाद के पूर्व विधायक दूड़ाराम ने उनका स्वागत किया। विनोद भ्याना ने यहां भाजपा जिला पदाकारियों के चर्चा की तथा फतेहाबाद विधानसभा की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने की। इस बैठक में सभी जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों व मंडल पदाधिकारियों ने भाग लिया।बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि

फतेहाबाद। विधायक विनोद भ्याना का स्वागत करते बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व पूर्व विधायक दुड़ाराम। फोटो : हरिभूमि

विनोद भ्याना ने कहा कि फतेहाबाद विधानसभा के प्रभारी विधायक रूप में वह हमेशा ही विधानसभा में फतेहाबाद की आवाज को उठाएंगे तथा फतेहाबाद क्षेत्र की जनता का विधानसभा में नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि हांसी की तरह फतेहाबाद भी उनका अपना क्षेत्र हैं। यहां की जनता भी उनकी अपनी है, इसलिए फतेहाबाद को वह कभी यह महसूस नहीं होने देंगे कि उनका विधायक सरकार में नहीं है।

समीक्षा बैठक ली

उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आम जनता की समस्याओं को उन तक तथा सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करें। इस दौरान विधायक विनोद भ्याना में सेवा पखवाड़ा का भी जिक्र किया तथा कार्यकर्ताओं की ड्युटियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू होने जा रहे सेवा पखवाड़ा में बढ़चढ़ कर भाग लें और फतेहाबाद क्षेत्र के लिए सेवा का नया आयाम स्थापित कर भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का काम करें। उन्होंने जिला पदाधिकारियों से फतेहाबाद के विकास कार्यों की रिपोर्ट भी मांगी। भ्याना ने कहा कि वह हर 15 दिन बाद फतेहाबाद में जरूर आएंगे।

सेंट जोसफ स्कूल में मनाया ग्रैंड पैरेंटस दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

भूना रोड स्थित सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में ग्रैंड पैरेंटस दिवस का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्राचार्या मारियालीन लुईस ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के प्रति सम्मान, प्रेम तथा कृतज्ञता की भावना विकसित करना है।

उन्होंने कहा कि दादा-दादी और नाना-नानी हमारे जीवन के अनुभव का भंडार है। वे न केवल हमें परंपराओं और मूल्यों से जोड़ते हैं, बल्कि अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से हमें कठिन परिस्थितियों में आगे बढऩे की प्रेरणा भी देते हैं। उनका स्नेह, त्याग और धैर्य ही बच्चों के चरित्र निर्माण की असली पाठशाला है।उप प्राचार्या कुलदीप कौर ने ग्रैंड पैरेंटस को सम्बोधित करते हुए कहा कि दादा-दादी, नाना-नानी का सानिध्य बच्चों के लिए अमुल्य धरोहर है। वे बच्चों को न केवल जीवन के अनमोल अनुभव बांटते हैं, बल्कि संस्कार और नैतिक मूल्यों का बीज भी रोपते हैं। ग्रैंड पैरेंट्स दिवस पर कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दूसरी के बच्चों द्वारा नृत्य के माध्यम से अपने दादा-दादी व नाना-नानी के प्रति सम्मान व प्रेम प्रकट किया गया। इस अवसर पर मेरा पोता बड़ा शैतान मेरी दादी बड़ी शैतान, दादा-दादी नाना-नानी, हैप्पी ग्रैंड पैरेंट्स डे गानों पर बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान ग्रैंड पैरेंट्स के लिए पासिंग द पार्सल व म्यूजिक चेयर जैसे खेलों का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेताओं को प्राचार्या मारियालीन लुईस द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किंडर गार्टन के सभी अध्यापक-अध्यापिकाएं व सहायक स्टाफ उपस्थित रहा।

टोहाना। सेंट जोसफ इंटरनेशनल स्कूल में ग्रैंड पैरेंटस दिवस पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

भागवत कथा के शुभारंभ पर निकाली कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से रविवार को श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा से पूर्व विशाल मंगल कलश यात्रा का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा से पूर्व जनता भवन से मंगल कलश याक्ष निकाली गई। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा से पूर्व कथा वाचक अनंत हरिदासी मीनू शर्मा वृंदावन ने श्रीमद भागवत की पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद 151 महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर शोभा यात्रा में शामिल हुई। काफी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु अपने हाथों में धर्म ध्वजा लिए हुए शोभा यात्रा में शामिल हुए। कथा वाचक अनंत हरिदासी मीनू शर्मा वृंदावन फूलों से सुसज्जित रथ में विराजमान थी। मंगल कलश यात्रा जनता भवन से रवाना होकर अनाज मंडी होते हुए श्री श्याम बगीची धाम स्थित कथा स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा में सबसे आगे शहर की मशहूर बैंड पार्टी भजनों की प्रस्तुति दी।

सिरसा। कलश यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद। स्वामी सदानंद महाराज का स्वागत करते आश्रम सेवादार।

स्वामी सदानंद महाराज पहुंचे सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम बुजुर्गों और मंदबुद्धि महिलाओं का हाल–चाल जाना

- आश्रम में एक मंदबुद्धि व्यक्ति को रेस्क्यू कर लाया गया

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे बाइपास पर सीति सद्गुरू कृपा अपना घर मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम फतेहाबाद में रविवार को संत शिरोमणि परमहंस श्री श्री 108 डॉक्टर स्वामी सदानंद महाराज पहुंचे। यहां पहुंचने पर आश्रम के मुख्य सेवादार विनोद तायल, अशोक भुकर, बाली मित्तल व काका चौधरी ने सपरिवार उनका स्वागत किया। आश्रम में पहुंचने के बाद स्वामी सदानंद महाराज ने सद्गुरूप कृपा अपना घर, श्री कृष्ण प्रणामी वृद्ध आश्रम में रह रहे मंदबुद्धि, बेसहारा बुजुर्गों को नाश्ते का प्रसाद करवाया और उनका हाल-चाल जाना। इसके बाद वह श्री कृष्ण प्रणामी महिला आश्रम में रह रही मंदबुद्धि महिलाओं से भी मिले और उनका हाल-चाल जाना। उसके बाद गुरु जी ने श्री कृष्ण प्रणामी गौ अनुसंधान संस्थान में गौ माता को हरा चारा खिलाये व उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद गुरु जी ने श्री कृष्ण प्रणामी गौ हॉस्पिटल में रह रहे बीमार गौ माता को भी हरा चारा खिलाया। इससे पूर्व संत शिरोमणि श्री श्री 108 डॉ. स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में चल रहे सद्गुरूप कृपा अपना घर आश्रम मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में आज एक मंदबुद्धि व्यक्ति को लाया गया। यह व्यक्ति मानसिक रोगी है और इसकी उम्र लगभग 50 वर्ष है। वह सिरसा हाईवे पर लावारिस घूम रहा था। आश्रम की टीम के द्वारा उस मंदबुद्धि बुजुर्ग को रेस्क्यू करके आश्रम में लाई। सेवादार विनोद तायल ने बताया कि आश्रम की टीम को सूचना मिलने पर समय-समय पर जरूरतमंदों को रेस्क्यू किया जाता हैं।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में भाग लेते इफको अधिकारी व किसान। फोटो : हरिभूमि

गिलाखेड़ा में इफको का खेत दिवस कार्यक्रम किसानों को दी महत्वपूर्ण जानकारियां

फतेहाबाद। गांव गिल्लाखेड़ा में इफको फतेहाबाद की ओर से खेत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रहलाद सिंह गिलाखेड़ा, निदेशक, इफको दिल्ली ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. देवीदयाल, उप महाप्रबंधक, इफको हरियाणा तथा बहादुर सिंह, उप क्षेत्र प्रबंधक इफको हरियाणा मौजूद रहे। कार्यक्रम में बहादुर सिह ने किसानों को इफको के नए उत्पाद जैसे नैनो यूरिया तरल, सागरिका, जल विलय उर्वरक, जैव उर्वरक के सही इस्तेमाल और फायदे के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. देवीदयाल ने इफको की राज्य स्तरीय गतिविधियों के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि इफको राज्य में कृषि आदान के विपणन के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में अग्रणी काम करते हुए ड्रोन से छिडक़ाव करने हेतु योजना भी शुरू की है। कार्यक्रम में प्रहलाद सिंह गिलाखेड़ा ने किसानों को बताया कि इफको किसानों की संस्था है व किसानों की सेवा में हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने बताया कि इफको का जो भी लाभ होता है वो लाभांश के रूप में मेम्बर सहकारी समितियों को प्रदान किया जाता है। इसके साथ उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी किसानों से नैनो यूरिया को अपनाने के लिए आग्रह भी किया। कार्यक्रम में 80 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

जांडली और माचरा में ग्रामीणों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

ड्रग पीड़ितों की पहचान कर करवाई काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान निरंतर प्रभावी रूप से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में एसआई सुंदर के नेतृत्व में गठित विशेष नशा मुक्ति टीम ने रविवार को गांव जंडली कलां और गांव माजरा में जागरूकता एवं उपचार संबंधी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम के दौरान टीम ने सबसे पहले गांव जंडली कलां का दौरा किया, जहां गली-चौराहों पर खड़े स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से कुल 6 ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई। सभी चिन्हित व्यक्तियों की काउंसलिंग कराई गई और नशे से छुटकारा दिलाने के लिए उन्हें आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाएं उपलब्ध करवाई गई। इसके उपरांत टीम गांव माजरा पहुंची, जहां एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में पंचायत सदस्यों, युवाओं और महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। टीम ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज की खुशहाली को भी नष्ट करता है। सभा के दौरान ग्रामीणों से यह विशेष अपील की गई कि वे नशा पीड़ित व्यक्तियों की पहचान करने में पुलिस का सहयोग करें, ताकि समय रहते उन्हें उचित उपचार और परामर्श प्रदान किया जा सके। ग्रामीणों के सहयोग से गांव माजरा में 4 और ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई, जिनकी भी काउंसलिंग कराई गई और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता दी गई। एसआई सुंदर ने कहा कि यह अभियान पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को नशा मुक्त बनाना है।

फतेहाबाद। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर मुसाफिर। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005, 7988727916